मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

11 नवम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे चक्र का आयोजन

माननीय कुलपति जी द्वारा सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के सरस्वती परिसर में विश्वविद्यालय के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद के दूसरे चक्र का आयोजन दिनांक 11 नवंबर 2024 को प्रातः 10:30 किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी की गरिमा में उपस्थिति रही। खेंलो की समाप्ति पर माननीय कुलपति जी द्वारा सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया।

इसमें निम्न खेलों का आयोजन किया गया– 1. शतरंज 2. फुटबाल 3. खो–खो। शतरंज खेल में प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. पी. क. स्टालिन, डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र, श्री मनोज कुमार बलवन्त, डॉ0 अभय कुमार यादव, धीरज रावत, नृपेन्द्र सिंह विजेता रहे। जबकि फुटबाल खेल में डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव जी की टीम विजयी रही। फुटबाल विजेता टीम में निम्न खिलाड़ियों डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. अभिषेक सिंह, श्री अनुराग शुक्ला, डॉ. शिवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. शैलेंद्र सिंह, डॉ. योगेश कुमार यादव, डॉ. राघवेन्द्र सिंह, श्री राजेश पाठक, प्रमोद द्विवेदी, प्रदीप कुमार यादव, सर्वेश कुमार त्रिपाठी, डॉ. अमित कुमार सिंह, डॉ. सी. के. सिंह, राम प्रवेश यादव इत्यादि ने प्रदर्शन किया।

खो–खो खेल प्रतियोगिता में प्रोफेसर अजेंद्र कुमार मलिक की टीम ने विजयी प्रदर्शन किया। इनके टीम में निम्न खिलाड़ियों प्रोफेसर अजेंद्र कुमार मलिक, प्रोफेसर मीरा पाल, श्री प्रविन्द कुमार वर्मा, श्री राजेश सिंह, डॉ. अनुज कुमार सिंह, डॉ. राघवेंद्र सिंह, श्री अरविंद कुमार मिश्रा, श्रीमती कामना यादव, डॉ. शिवेंद्र प्रताप सिंह, श्रीमती सुषमा सिंह, इत्यादि ने प्रदर्शन किया। माननीय कुलपति जी की उपस्थिति से खिलाड़ियों में उत्साह बना रहा तथा सफलतापूर्वक इस खेल का आयोजन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के प्रारभी में समन्वयक, खेलकूद, प्रो. सेंजय कुमार सिंह द्वारा माननीय कुलपति जी का स्वागत किया गया तथा संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहायक आचार्य, समाज विज्ञान विद्या शाखा द्वारा किया गया।

विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र

सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान करते हुए माननीय कुलपति जी

खेल हमारे सामाजिक जीवन के लिए अनिवार्य है : प्रोफेसर सत्यकाम

इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने कहा कि खेल हम सभी के प्रतिदिन के जीवन के लिए बहुत अच्छा होता है क्योंकि ये हमें शारीरिक एवं मानसिक रुप से सक्रिय बनाता है। खेल हमारे सामाजिक जीवन के लिए अनिवार्य है। खेल हमें पूरे जीवनभर बहुत से तरीकों से मदद करता है। किसी भी खेल में रुचि, पूरे विश्वभर में पहचान और जीवन भर के लिए उपलब्धि प्रदान कर सकती है। खेल की चुनौतियों का सामना करना हमें जीवन की अन्य चुनौतियों से निपटने के साथ ही इस प्रतियोगी संसार में जीवित रहना भी सिखाता है। खेल अनुशासन सिखाते हैं और अनुशासन जीवन में सफलता के लिए आवश्यक है। आजकल, लड़कियाँ भी लड़कों की तरह ही बड़े स्तर पर, अपने आत्मविश्वास के साथ बिना किसी पारिवारिक और सामाजिक झिझक के खेल गतिविधियों में भाग ले रही हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

11 नवम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर हुआ व्याख्यान

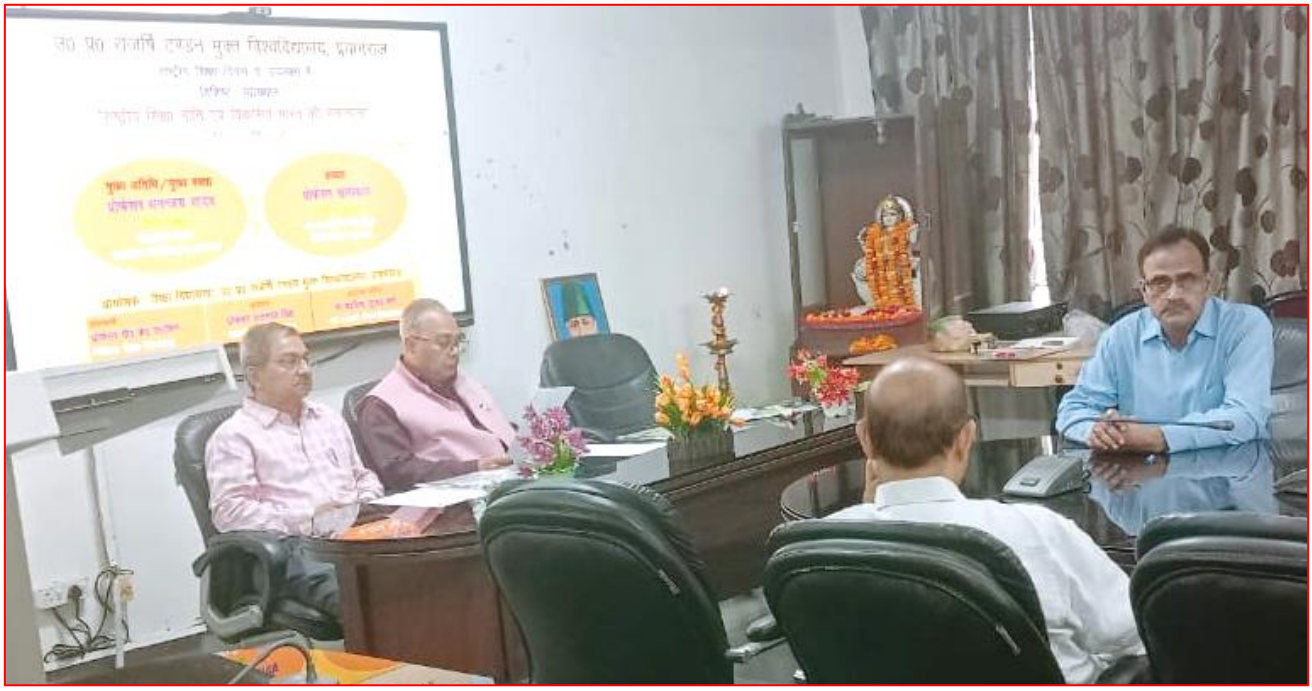

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में सोमवार दिनांक 11 नवम्बर, 2024 को मौलाना अबुल कलाम आजाद की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर धनंजय यादव जी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी ने की।

इस अवसर पर कार्यक्रम के निदेशक प्रोफेसर पी. के. स्टालिन ने सभी अतिथियों का वाचिक स्वागत तथा कार्यक्रम की रूपरेखा एवं विषय प्रवर्तन परविंद कुमार वर्मा ने किया। संचालन डॉ0 रविंद्र नाथ सिंह ने तथा संयोजक प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 रविंद्र नाथ सिंह

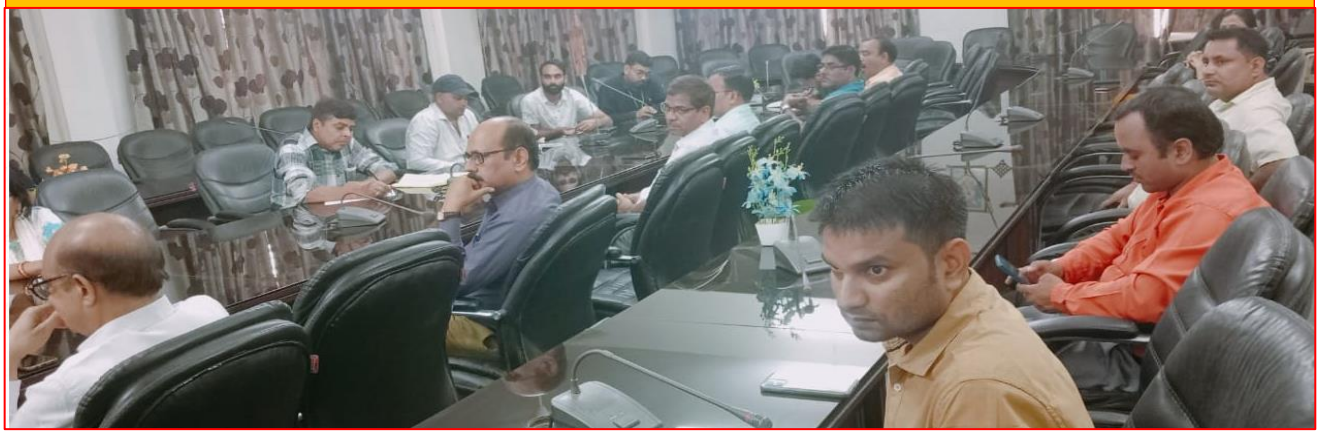

सभी अतिथियों का वाचिक स्वागत करते हुए कार्यक्रम के निदेशक प्रोफेसर पी. के. स्टालिन

नई शिक्षा नीति में सभी का योगदान जरूरी– प्रोफेसर धनंजय यादव

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर धनंजय यादव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा दिवस को स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। मौलाना अबुल कलाम आजाद एक महान स्वतंत्रता सेनानी , शिक्षाविद और बेहतरीन लेखक थे। मौलाना आजाद ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया। उनके कार्यकाल में विभिन्न साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी, संगीत नाटक अकादमी का गठन हुआ। इसके साथ ही उनके कार्यकाल में सांस्कृतिक संबंध परिषद भी स्थापित हुआ।

प्रोफेसर यादव ने कहा कि आज नई शिक्षा नीति 2020 मूर्त रूप में है। सभी लोग सामूहिक जिम्मेदारी लेते हुए देश की शिक्षा नीति में अपना योगदान दें। मौलाना आजाद ने स्वतंत्र भारत के बाद शिक्षा नीति की जो बागडोर संभाली थी उसको आगे बढ़ाने के क्रम में प्रयास जारी है। इसको अमलीजामा पहना पाए तो निश्चित रूप से भारत 2047 तक विकसित भारत के रूप में परिवर्तित हो जाएगा, ऐसी अपेक्षा है। उसके लिए हम सभी का सामाजिक, समावेशी एवं सामूहिक प्रयास होना चाहिए, जो भारत के लिए श्रेष्ठ होगा ।

मौलाना आजाद ने देखा था शिक्षित भारत का सपना– प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मौलाना आजाद भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री थे जिन्होंने भारत को शिक्षित करने में पूरा योगदान दिया और उन्होंने शिक्षा के माध्यम से एक शिक्षित भारत बनाने का सपना देखा था उसी के अनुक्रम में अनेक शिक्षण संस्थाओ के विकास में अपना योगदान दिया। उनका सपना था कि सभी बच्चे शैक्षिक रूप से सक्षम होते हुए रोजगार परक शिक्षा प्राप्त करें और उसी के अनुक्रम में अपने जीवन यापन करते हुए देश व समाज के विकास में अपना योगदान दें।

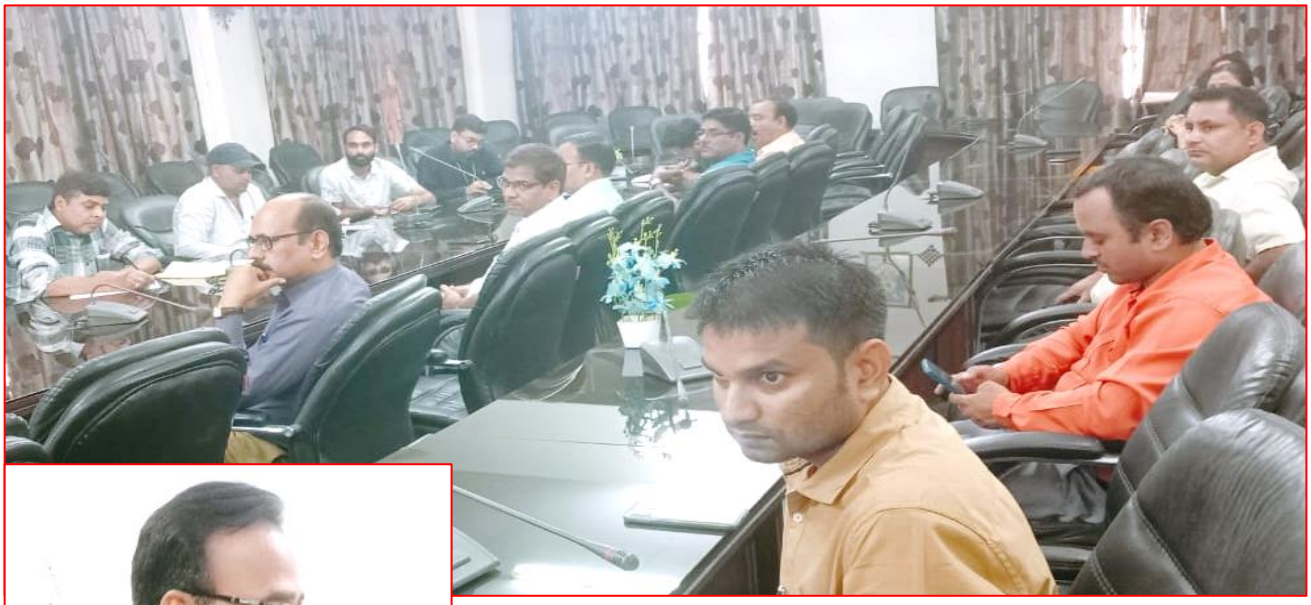

सभी का आभार व्यक्त करते हुए संयोजक प्रोफेसर छत्रसाल सिंह